

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एवीजीसी के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र को मंजूरी दी

नई दिल्ली...

29 सितंबर, 2024

परिचय

एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स) सेक्टर मीडिया और मनोरंजन उद्योग का भविष्य बनने जा रहा है। बाहुबली और आरआरआर जैसी फ़िल्मों ने भारत में ऐतिहासिक और काल्पनिक विषयों को चित्रित करने के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश किया है, जिसने पीएस1 और कल्कि जैसी फिल्मों को प्रेरित किया है। फिक्की-ईवाई 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया भर में दूसरे सबसे बड़े एनीमे प्रशंसक आधार का दावा करता है और आने वाले वर्षों में एनीमे के प्रति रुचि में दुनिया भर में 60% वृद्धि का अनुमान है। भारत को एवीजीसी के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में मुंबई में एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियल्टी (एवीजीसी-एक्सआर) के लिए एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना को मंजूरी दी है।

Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

WAVES
Summit India

PM Narendra Modi
on
National Centre of Excellence
for
AVGC-XR

 **Narendra Modi** ✓
@narendramodi

The Cabinet approval to establish the National Centre of Excellence for Animation, Visual Effects, Gaming, Comics and Extended Reality is great news for the world of media and entertainment. The eco-system of creators will get a big boost and many more job opportunities will be created.

Advancing the Creators Economy!
Ensuring economic growth & employment opportunity

 Scan to follow us

 /WAVES SummitIndia
 /World Audio Visual and Entertainment summit

एनसीओई की पृष्ठभूमि

एनसीओई की स्थापना भारत में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत धारा 8 कंपनी के रूप में की जाएगी, जिसमें फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और भारतीय उद्योग परिसंघ भारत सरकार के साथ भागीदार के रूप में उद्योग संगठनों का प्रतिनिधित्व करेंगे। एनसीओई की स्थापना केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री द्वारा 2022-23 के बजट की घोषणा के बाद की गई है, जिसमें देश में एवीजीसी टास्क फोर्स के गठन का प्रस्ताव रखा गया था। एनसीओई एवीजीसी का उद्देश्य भारत में विश्व स्तरीय प्रतिभा पूल तैयार करना है, ताकि भारतीय और वैश्विक मनोरंजन उद्योग की जरूरतों को पूरा किया जा

सके। अस्थायी रूप से इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर इमर्सिव क्रिएटर्स (आईआईआईसी) नाम से पहचाने जाने वाले इस केंद्र का उद्देश्य एवीजीसी क्षेत्र में क्रांति लाना और इमर्सिव प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देना है। इसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जैसे चर्चित संस्थानों के अनुरूप बनाया जाएगा।

SALIENT FEATURES OF NCOE

1 NCoE will also extensively focus on creation of India's IP for both domestic consumption and global outreach.

2 Will function as an incubation centre by providing resources for nurturing start ups and early stage companies in AVGC-XR field.

3 Will also position India as a content hub for providing state-of-the-art content.

4 Enhance India's soft power globally and attracting foreign investment into M&E sector.

5 To be set up in Mumbai, Maharashtra and FICCI and CII to represent industry bodies as partners with the Government of India

6 To act as pinnacle institution to anchor the AVGC-XR ecosystem in the country.

7 Will foster R&D and will bring together experts from various science & art fields that can lead to major breakthroughs in AVGC - XR

PIB RESEARCH UNIT

एनसीओई का उद्देश्य (आईआईआईसी)

भारत के एनीमेशन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, जिसकी वजह फिल्मों, विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स), गेमिंग एनीमेशन और आकर्षक मोबाइल कंटेंट की बढ़ती मांग है। इस वृद्धि से कुशल और उत्साही एनिमेटरों के लिए रोमांचक अवसर प्रस्तुत होते हैं। 25% की वृद्धि दर और 2023 तक ₹46 अरब के अनुमानित मूल्य (फिक्की-ईवाई रिपोर्ट 2023) के साथ, भारत में एनीमेशन उद्योग फल-फूल रहा है और यह जोशीले युवा प्रतिभाओं के लिए एक आशाजनक भविष्य प्रदान करता है।

तेजी से विकसित हो रही तकनीक और पूरे देश में इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के साथ-साथ सबसे सस्ती डेटा दरों वाले देश में से एक होते हुए, एवीजीसी-एक्सआर का उपयोग वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। यह विशेष रूप से राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) के माध्यम से प्रचुर अवसर पैदा करता है। एनसीओई (आईआईआईसी) के कुछ प्रमुख उद्देश्य नीचे दिए गए हैं:

- भारतीय आईपी बनाने पर ध्यान केंद्रित करना
- नए युग में हमारी सांस्कृतिक विरासत का लाभ उठाना
- उद्योग में गुणक प्रभाव पैदा करना
- राज्य और शिक्षाविदों के साथ साझेदारी में एक उद्योग संचालित पहल
- शिक्षा, कौशल उद्योग, विकास, नवाचार पर एकीकृत जोर
- विकास के हब और स्पोक मॉडल का पालन किया जाना

- आईआईआईसी एक केंद्र (हब) है और इसके स्पोकस के रूप में कई केंद्र हैं जो स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए नवाचार और अनुसंधान निधि समर्पित करते हैं



एनसीआई के बारे में जानने लायक 6 मुख्य बातें

1. आरआरआर, बाहुबली, द लायन किंग और अवतार जैसी फिल्मों ने एनीमेशन और इमर्सिव तकनीक की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया है! भारत का एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र रोजगार और नवाचार के विशाल अवसरों के साथ शानदार वृद्धि के लिए तैयार है।
2. इमर्सिव तकनीकें जीवंत, इंटरैक्टिव (संवादात्मक) अनुभव देती हैं। इसमें वर्चुअल रियलिटी (वीआर), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर),

मिक्सड रियलिटी (एमआर) और 3डी मॉडलिंग और एनीमेशन शामिल हैं। चाहे आप 3डी एनिमेटर हों, वीआर/एआर क्रिएटर हों, गेम डेवलपर हों या कॉमिक आर्टिस्ट हों - यह आपका खेल का मैदान है।

3. एनसीओई इमर्सिव तकनीक में महारत हासिल करने के लिए आपका प्रवेश द्वार है। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करेगा, स्वदेशी बौद्धिक संपदा (आईपी) के निर्माण को बढ़ावा देगा और भारत की डिजिटल रचनात्मक अर्थव्यवस्था के भविष्य का निर्माण करेगा।
4. 5,00,000 नौकरियों के सृजन के अनुमान के साथ, एनसीओई को आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों की तरह तैयार किया गया है। केंद्र एक मजबूत प्रतिभा पूल बनाने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, अत्याधुनिक तकनीक और विशेष कौशल प्रदान करेगा।
5. व्यावहारिक शिक्षा और कैरियर के मार्ग। छात्रों को उद्योग-संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे स्नातक होने पर नौकरी के लिए तैयार हैं। आपको इंटरशिप, महत्वाकांक्षी स्टार्टअप के लिए मेंटरशिप और भारत एवं दुनिया के लिए कंटेंट निर्माण पर केंद्रित पाठ्यक्रम तक भी पहुंच प्राप्त होगी!
6. सहयोग और नवाचार। केंद्र और राज्य सरकारों, शिक्षाविदों और उद्योग के बीच साझेदारी को बढ़ावा देकर, एनसीओई इमर्सिव

तकनीकों में अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए एक गतिशील इकोसिस्टम बनाएगा। यहीं पर भारत के अगली पीढ़ी के निर्माता पनपेंगे।

निष्कर्ष

एवीजीसी के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ तेजी से बढ़ते एवीजीसी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। फिल्म निर्माण के एक वैश्विक केंद्र के रूप में, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में भारत की प्रगति से उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उत्पादन संभव होगा, जिससे देश तकनीकी नवाचार और रचनात्मकता में अग्रणी बन जाएगा।

संदर्भ

- <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2055999>
- <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1762119>
- https://x.com/PIB_India/status/1836356310557925513
- <https://x.com/AshwiniVaishnaw/status/1836470973438267760>
- <https://x.com/WAVESummitIndia/status/1836774427473658067/photo/1>
- <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1894700>
- <https://x.com/AmitShah/status/1836386004623556630/photo/1>

- <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2018431#:~:text=The%20animation%20industry%20in%20India,opportunities%20for%20passionate%20young%20people.&text=Seats%20are%20limited%20to%20only,come%2C%20first%2Derved%20basis.>
- https://assets.ey.com/content/dam/ey-sites/ey-com/en_in/topics/media-and-entertainment/2024/ey-in-india-s-media-entertainment-sector-is-innovating-for-the-future-03-2024-v1.pdf

[पीडीएफ देखने के लिए यहां क्लिक करें।](#)

एमजी/आरपीएम/केसी/एमपी/डीके

(Backgrounder ID: 153219)